आचार्य प्रशांत ने खोली बच्चों की पोल, बोले-जब तक जरूरत है, तब तक ही दिखते हैं माता-पिता, फिर तो बस बॉस और बीवी के...

Advertisement

Authored By: नंदिनी दुबे | नवभारतटाइम्स.कॉम • 17 Nov 2025, 2:05 pm IST

Subscribe YouTube 12M

लेखक आचार्य प्रशांत अक्सर ही बच्चों में अच्छे संस्कार और सही व्यवहार से जुड़े मुद्दों पर अपनी अहम राय रखते हैं। हाल ही में भी उन्होंने इसी विषय पर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की है, जो आज के माता-पिता और युवाओं दोनों के लिए सोचने पर मजबूर कर देने वाली है।

Image- I stock (सांकेतिक तस्वीर)

वीडियो ›

Thalapathy Vijay News: टोटका या कोई मैसेज...CM बनते ही सि...

India Pakistan News: भारत पर हमले के लिए PAK ने चीन से मांगा था...

Imran Khan News: अमेरिका ने गिराई थी इमरान खान की सरकार, ड्रॉप सा...

GD Bakshi Podcast With Lucky Bisht: युद्ध के लिए भारत तैयार रहे.....

आमतौर पर जब तक बच्चे छोटे होते हैं, उनकी पूरी दुनिया माता-पिता के इर्द-गिर्द ही घूमती रहती है। लेकिन जैसे ही वे बड़े होते हैं, अपनी ही दुनिया में मग्न हो जाते हैं। कई बार वे इस कदर अपनी जिंदगी में खो जाते हैं कि माता-पिता के बारे में सोचने की फुर्सत भी नहीं निकाल पाते। बच्चों का यही व्यवहार कई बार माता-पिता को सोचने पर मजबूर कर देता है। इसी मुद्दे पर लेखक आचार्य प्रशांत ने अपनी अहम राय रखी है। उनका कहना है कि बच्चों को जब तक जरूरत होती है, तभी तक माता-पिता याद रहते हैं। उन्होंने इस पर और भी महत्वपूर्ण बातें कही हैं, आइए जानते हैं विस्तार से।

(सभी तस्वीरें-सांकेतिक हैं)

YOU MAY LIKE

SPONSORED LINKS BY TABOOLA

Start Forex Trading. Get a 100% Welcome Bonus
iFOREX
Sign Up

जो बच्चे पेरेंट्स को फोन करने में दस बार सोचते हैं

इंस्टाग्राम वीडियो में एक न्यूज एंकर, आचार्य प्रशांत से पूछती हैं कि वे बच्चे, जो अपने माता-पिता को फोन करने से पहले दस बार सोचते हैं, उनके लिए वह क्या कहना चाहेंगे? इस मुद्दे पर उनकी राय क्या है।

Putin China Visit: ट्रंप के जाते ही बीजिंग क्यों पहुंचे

Advertisement

रेकमेंडेड खबरें ›

प्रेग्नेंसी प्लान कर रहे कपल्स के लिए ओव्यूलेशन की जानकारी है बेहद जरूरी,...

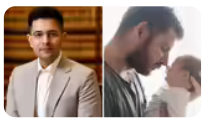
सांसद राघव चड्ढा ने पैटरनिटी लीव को कानूनी अधिकार बनाने की मांग,...

बच्चों को अनुशासन सिखाने से पहले पेरेंट्स सुधारें अपना व्यवहार, ये 8 तरीके भी हैं...

वरुण धवन की बेटी को हुआ हिप डिस्प्लेसिया, जानें इसके कारण, लक्षण और अन्य...

35 साल से अधिक उम्र की

Advertisement

Advertisement

क्या पेरेंट्स का कर्ज चुका पाए हो कभी ?

इस पर आचार्य प्रशांत जवाब देते हैं कि अगर माता-पिता आपको टिटनेस जैसी जरूरी वैक्सीन न लगवाते, आपकी देखभाल न करते, तो क्या आप चल जाते। माना कि बच्चों के लिए कुछ करते समय माता-पिता का भी कोई स्वार्थ रहा हो, लेकिन जो कुछ उन्होंने किया, क्या उसका कर्ज आप कभी चुका पाए हैं?

Advertisement

बस जब तक स्वार्थ पूरा होता है तब घूमते हैं माता-पिता के पीछे

वे आगे कहते हैं कि जब तक माता-पिता से स्वार्थ पूरा होता था, तब तक बच्चे मां का आंचल पकड़कर कहते हैं- 'आज मेरे खाने लिए ये बना दो, वो बना दो।' पिता के पीछे-पीछे घूमते हैं 100 रुपये और दे दीजिए।'

Advertisement

बड़े होने पर बॉस-बीवी के पीछे घूमने लगते हैं

आचार्य आगे बतातो हैं फिर बच्चे जब बड़े होते हैं बॉस से 100 रुपये मिलते ही उनके आगे-पीछे घूमने लगते हैं। वहीं, पहले मां जीवन में केंद्र थी, आज प्रेमिका या पत्नी आ गई है, अब उसका

आंचल पकड़कर घूमते हैं।

Advertisement

यहां देखिए पूरा वीडियो

Advertisement

निस्वार्थता के बीज डालना जरूरी है

आचार्य प्रशांत कहते हैं इसीलिए बच्चों में निस्वार्थता के बीज डालना जरूरी है। यही असली संस्कार है। इसीलिए बच्चों को इस दिशा में ध्यान देना चाहिए। पेरेंट्स भी इस बात पर ध्यान दें।

डिस्केलमर: इस लेख में दी गई सूचना पूरी तरह इंस्टाग्राम रील पर आधारित है। एनबीटी इसकी सत्यता और सटीकता की जिम्मेदारी नहीं लेता है।

लेखक के बारे में

नंदिनी दुबे

नंदिनी दुबे नवभारतटाइम्स.कॉम में प्रेग्नेंसी और पेरेंटिंग राइटर और प्रिंसिपल डिजिटल कंटेंट प्रड्यूसर हैं। वह दो साल के बच्चे की मां भी हैं, इसलिए प्री-प्रेग्नेंसी से लेकर गर्भावस्था के नौ महीनों की जर्नी और शुरुआती पेरेंटिंग तक के अनुभवों को खुद जी चुकी हैं और जी ... और पढ़ें

लेटेस्ट कमेंट | सारे कमेंट्स पढ़ें (1) » कमेंट पोस्ट करें

Nirbha...
183 days ago

हम उन hi मंदिरो में जाना पसंद करते है जहा मनोकामना पूरी होती है